No. of Printed Pages : 4

MMDE-072

M.Ed. SPECIAL EDUCATION-VISUAL IMPAIRMENT (MEDSEVI)

00465

Term-End Examination

December, 2013

MMDE-072 : CURRICULUM AND TEACHING STRATEGIES FOR CHILDREN WITH VISUAL IMPAIRMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

*Note : Part 'A' and Part 'B' are **compulsory**.*

PART-A

Write short notes on ***any three*** of the following questions (**1 - 5**). Each question carries **5** marks. **5x3=15**

1. Enumerate the strategies to overcome verbalism in children with visual impairment.

2. How is plus-curriculum different from co-curriculum ?

3. Explain the role of the teacher in teaching-learning Braille.

4. Why do the children with visual impairment need sensory training ?

5. What is CBR ? What are the challenges of CBR in implementation ?

PART-B

Attempt *any four* questions from Part- B. Question No.**11** is compulsory. Each question is of **15** marks.

15x4=60

6. What is the significance of Braille for children with visual impairment ? Discuss the issues related to Braille reading and writing.

7. How to develop auditory skills of children with visual impairment ? Discuss with suitable examples.

8. As a teacher, how will you inculcate creative Arts among children with visual impairment ? Explain any three creative art activities for children with visual impairment.

9. What are the technologies available for Braille book production ? Specify the advantages of computerisation in Braille book production.

10. Discuss the involvement of Government organisations and NGOs in the rehabilitation of persons with visual impairment.

11. What is orientation and mobility ? Explain various mobility techniques for persons with visual impairment.

OR

"Vocational counselling ultimately aims to make the persons with visual impairment independent and contributing citizen of the Nation" - Justify your answer with suitable examples.

एम.एड. विशेष शिक्षा-दृष्टिबाधिता
(एम.ई.डी.एस.ई.वी.आई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

एम.एम.डी.ई.-072 : दृष्टिबाधित बच्चों के लिए पाठ्यक्रम एवं शिक्षण प्रणालियाँ

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : *भाग 'अ' एवं भाग 'ब' दोनों **अनिवार्य** हैं।*

भाग - अ

निम्नलिखित में **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। **सभी** प्रश्न 5 अंक के हैं। **5x3=15**

1. दृष्टिबाधित बच्चों में शब्दाडंबर (वर्बलिज्म) से निपटने के लिए विधियाँ लिखिए।

2. जमा पाठ्यक्रम, सहपाठ्यक्रम से किस प्रकार भिन्न है?

3. ब्रेल शिक्षण अधिगम में अध्यापक की भूमिका का वर्णन कीजिए।

4. दृष्टिबाधित बच्चों को संवेदी प्रशिक्षण की अवश्यकता क्यों है?

5. सी.बी.आर. क्या है? सी.बी.आर. क्रियान्वयन में क्या चुनौतियाँ हैं?

भाग - ब

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 11 अनिवार्य है। सभी प्रश्न 15 अंक के हैं। **15x4=60**

6. दृष्टिबाधित बच्चों में ब्रेल का क्या महत्व है? ब्रेल के पठन और लेखन से सम्बन्धित मुद्दों की विवेचना कीजिए।

7. दृष्टिबाधित बच्चों में श्रवण कौशल कैसे विकसित किये जाते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए।

8. एक अध्यापक के रूप में आप दृष्टिबाधित बच्चों में सृजनात्मक कला को कैसे अंतर्निविष्ट करेंगे? दृष्टिबाधित बच्चों के लिए कोई तीन सृजनात्मक कला क्रियाओं की व्याख्या कीजिए।

9. ब्रेल पुस्तक उत्पादन के लिए कौन सी तकनीकी उपलब्ध हैं? ब्रेल पुस्तक उत्पादन कम्प्यूटरीवृत होने के लाभों का वर्णन कीजिए।

10. दृष्टिबाधित व्यक्तियों के पुनर्वास में सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी की विवेचना कीजिए।

11. अनुस्थिति एवं गतिशीलता क्या है? दृष्टिबाधित व्यक्तियों की गतिशीलता के लिए विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए।

अथवा

''व्यवसायिक परामर्श का मौलिक उद्देश्य दृष्टिबाधित व्यक्तियों को स्वतन्त्र एवं राष्ट्र का सहयोगी सदस्य बनाना है।'' उपयुक्त उदाहरण सहित अपने उत्तर को तर्क संगत सिद्ध कीजिए।